Dainik Bhaskar (Indore), 25th January 2026, Page – 09

# आईआईटी में विश्वकर्मा अवॉर्ड्स 2025; सार्क देशों के इनोवेटर्स ने दिखाया दम

## 1,000 टीमों में से टेक्निकल इवैल्यूएशन और एक्सपर्ट मेंटरिंग के बाद 12 फाइनल में

भास्कर संवाददाता | इंदौर

आईआईटी इंदौर में मेकर भवन फाउंडेशन द्वारा आयोजित विश्वकर्मा अवॉर्ड्स 2025 का ग्रैंड फिनाले हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. हेमंत कनाकिया, निदेशक प्रो. सुहास जोशी और मेकर भवन फाउंडेशन के प्रेसिडेंट व सीईओ गौतम खन्ना विशेष रूप से मौजूद रहे। इस आयोजन के साथ भारत और सार्क देशों के छात्रों की क्रॉस-बॉर्डर इनोवेशन यात्रा का समापन हुआ।

हार्डवेयर केंद्रित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों के इनोवेशन आइडियाज को असल दुनिया में उपयोगी तकनीक में बदलना रहा। 2025 संस्करण में भारत, नेपाल, बांग्लादेश, भूटान और श्रीलंका के 3,600 से अधिक अंडरग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट छात्रों ने भाग लिया। शुरुआती 1,000 टीमों में से नौ महीने की कड़ी प्रक्रिया- प्रोटोटाइपिंग, टेक्निकल इवैल्यूएशन और एक्सपर्ट मेंटरिंग के बाद 12 टीमें फाइनल तक पहुंचीं। फाइनल राउंड में टीमों ने हीलटेक, स्मार्ट मोबिलिटी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े वर्किंग हार्डवेयर प्रोटोटाइप प्रस्तुत किए। खास बात यह रही कि एआई को केवल सॉफ्टवेयर तक सीमित न रखकर उसे सीधे फिजिकल सिस्टम में एम्बेड किया गया।

### टीम वायु सेतु को मिला पहला स्थान

- स्मार्ट मोबिलिटी श्रेणी में विवेकानंद एजुकेशन सोसाइटी के इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की टीम वायु सेतु ने पहला स्थान हासिल किया।
- एडमास यूनिवर्सिटी की टीम दूसरे स्थान पर रही।
- इंटेलिजेंट मशीन श्रेणी में आईआईटी बॉम्बे की टीम एडेप्टिव मॉड्यूलर आर्म्स विजेता बनी, वहीं आईआईटी इंदौर की टीम एक्वालूप ने दूसरा पुरस्कार जीता।
- हीलटेक श्रेणी में पहला पुरस्कार सी.आर. राव एडवांस्ड इंस्टीट्यूट की टीम सारथी को मिला, जबकि दूसरा स्थान आईआईटी मंडी की टीम फ्लेक्सोगियर ने प्राप्त किया।

### तकनीकी चुनौतियों से रूबरू कराया

मुख्य अतिथि डॉ. हेमंत कनाकिया ने कहा, प्रस्तुत किए गए प्रोटोटाइप छात्रों की एप्लाइड इंजीनियरिंग में मजबूत पकड़ और सिस्टम-लेवल सोच को दर्शाते हैं। वहीं गौतम खन्ना ने बताया, हार्डवेयर-फर्स्ट अप्रोच ने छात्रों को वास्तविक तकनीकी चुनौतियों से रूबरू कराया, जिससे उनकी समस्या-समाधान क्षमता और इंजीनियरिंग स्किल और निखरकर सामने आई।

### डीप-टेक इनोवेशन को बढ़ावा देने का उदाहरण

आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रो. जोशी ने कहा, यह आयोजन डीप-टेक इनोवेशन को बढ़ावा देने का सशक्त उदाहरण है, जहां विचारों को समाज और उद्योग के लिए उपयोगी तकनीक में बदला जा रहा है। उन्होंने कहा, ऐसी पहल भविष्य के इंडस्ट्री-रेडी इंजीनियर और उद्यमी तैयार करने में अहम भूमिका निभाती है। छात्रों ने ओपन कैटेगरी के साथ-साथ इंडस्ट्री द्वारा दिए गए प्रॉब्लम स्टेटमेंट्स पर भी काम किया। फाइनलिस्ट टीमों को आईआईटी इंदौर में प्रोटोटाइपिंग सपोर्ट, टेक्निकल और एंटरप्रेन्योरशिप ट्रेनिंग का अवसर मिलेगा।